न्यायालय सहायक कलेक्टर (एस.डी.ओ.) बालोतरा

पीठासीन अधिकारी : श्री नरेष सोनी, आर.ए.एस

राजस्व वाद संख्या 183/2021

2021/431

वादी :–

1) केहनाराम पुत्र जपाराम

तहसील पचपदरा जिला बाडमेर ।

बनाम

प्रतिवादीगण :–

1) मंगलाराम पुत्र जपाराम
2) हरचन्द्र राम पुत्र बालाराम
3) राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार पचपदरा

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काष्तकारी अधिनियम 1955 वास्ते घोषणा व दुरूस्ती

उपस्थिति :– 1. श्री केहनाराम स्वंय वादी।
2..श्री मंगलाराम प्रतिवादीगण
हरचन्द्र राम
तहसीलदार पचपदरा

निर्णय

दिनांक :– 29.10.21

वादी के द्वारा वादपत्र के सक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि वादी की खातेदारी व कब्जा काष्त की भूमि खेत खसरा नं 39 रकबा 35-09 बीघा,

सरहद मौजा [illegible] तहसील पचपदरा मे स्थित है जिस पर वादी का कब्जा काष्त है। वादी के बचपन में लाड प्यार से बोले जाने वाला नाम किराना होने से राजस्व रेकर्ड में किराना पुत्र जपा दर्ज किया गया, जबकि वादी का अन्य सभी दस्तावेजात भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, राषन कार्ड में वादी का नाम केहनाराम पुत्र जपाराम दर्ज है। वादी को किसान कार्ड बनाने, किसान अनुदान लेने, अन्य सरकारी योजनाओं का फायदा प्राप्त करने में कई कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। वादी नें राजस्व रेकर्ड में अंकित गलत नाम इन्द्राज किराना पुत्र जपा के स्थान पर केहनाराम पुत्र जपाराम सही नाम घोषित करवाने का निवेदन किया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Naresh Soni
Date: 2022.05.14 19:12:48 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by TapScanner

प्रतिवादीगण संख्या 1 राजस्थान राज्य की तरफ से ईकबाली जबाबदावा पेष कर वादी के वाद पत्र के समस्त तथ्यों को सही होना स्वीकार किया गया एवं वादी का बचपन नाम ......किशना पुत्र जपा...... के स्थान पर ......केहनाराम पुत्र जपाराम...... दुरूस्ती की जाती है, तो उन्हे कोई आपत्ति व उज्र एतराज नहीं है।

वाद पत्र में अंकित तथ्यों की जांच ......नायब तहसीलदार पचपदरा तहसील पचपदरा से करवाई गई। राजस्थान राज्य की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया जिसमें नाम दुरूस्ती करने की सहमति प्रकट की गई है।

हमनें पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया गया बाद अवलोकन पाया गया कि खेत ~~खसरा~~ खाता नं ......39...... रकबा ......35-09...... बीघा, सरहद मौजा ......भीमरलाई कलां......तहसील पचपदरा वादी का नाम बचपन में लाड–प्यार का नाम ......किशना......दर्ज किया गया वादी द्वारा साक्षी में प्रस्तुत दस्तावेजात में अर्थात अन्य सरकारी व अन्य अर्द्वसरकारी दस्तावेजों सरंपचं ग्राम पंचायत ~~रामसीन~~ चांदेसरा एवं तहसीलदार ......पचपदरा...... की जांच रिपोर्ट के अवलोकन स्पष्ट साबित है कि वादी के बचपन का नाम ......किशना......दर्ज किया गया है वादी का सही नाम ......केहनाराम...... है, ऐसी स्थिति में वादी के वाद को स्वीकार करने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती है ।

उपरोक्त विवेचन के आधार वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर तहसीलदार पचपदरा की मजमें आम मे की मौका रिपोर्ट के आधार पर खेत ~~खसरा~~ खाता नं ......39......रकबा ......35-10...... बीघा, सरहद मौजा ......भीमरलाई कलां...... .
......

वादग्रस्त आराजी में वादी का गलत नाम ......किशना......पुत्र ......जपा...... ... के स्थान पर ......केहनाराम...... पुत्र ......जपाराम......खातेदार घोषित किया जाता है। तहसीलदार पचपदरा को आदेषित किया जाता है कि वे तदनुसार राजस्व रेकर्ड में अमलदरामद करना सुनिष्चित करें।

निर्णय आज दिनांक ......29/10/2021...... **को कोर्ट केम्प कोर्ट**......चांदेसरा...... **में मजमे आम में सुनाया गया।**

(हस्ताक्षर)
उपखण्ड अधिकारी
(SDO) बालोतरा

Signature Not Verified
Digitally signed by Naresh Soni
Date: 2022.05.14 19:12:48 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by TapScanner